

जॉब रैडी के साथ लाईफ रैडी भी बनें छात्र

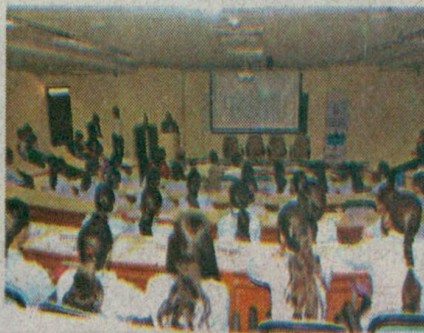
जयपुर/कार्यालय संवाददाता

जे के लक्ष्मीपति यूनीवर्सिटी का मिशन है कि उनके यहां पढ़ाई के लिए आने वाले छात्र केवल पढ़ाई और उसके उपरांत जॉब के लिहाज से ही रैडी न हों बल्कि लाईफ रैडी भी बनें अर्थात जीवन में आने वाली विषम से विषम परिस्थितियों से जूझने की काबिलियत, भी उनमें विकसित हो। यह जानकारी यूनीवर्सिटी के वाइस चांसलर डा. आर एल रैना ने दी। उन्होंने नफा नुकसान को विशेष जानकारी में



वीसी डा. आर एल रैना

बताया कि विगत दो वर्ष से इस विश्वविद्यालय में छात्र को बेहतर गुणवत्ता युक्त पढ़ाई के जरिये जॉब मार्केट में बेहतर आउटपुट के लिए जहां तैयार करते हैं, तो जीवन के व्यवहारिक सच से भी उन्हें अवगत कराते हैं, ताकि विपरीत परिस्थितियों में भी वे निराश या हताश न हों बल्कि मझधार में फंसी नाव को अपने बूते किनारे पर लाने के काबिल बने रह सकें। डा. रैना कहते हैं कि किताबों में छपा हुआ रटकर परीक्षा पास कराकर डिग्री देना भर इस यूनीवर्सिटी का मकसद नहीं है, बल्कि छात्र के बीच अपने जीवन के तमाम परिदृश्य में व्यवहारिक सोच विकसित करना भी अहम है। इसके लिए अलग से सेंटर फॉर कम्युनिकेशन एंड क्रिटिकल थिंकिंग स्थापित किया गया है, जहां कि छात्रों को एथिक्स से रूबरू कराया जाता है। पढ़ाई का जहां तक बात है, उसमें सबसे महत्वपूर्ण है कंटेंट कि क्या पढ़ाया जा रहा है, फिर दूसरी अहम बात है कि जो पढ़ाया जा रहा है वह बच्चे व्यवहारिक तौर पर समझ पा रहे हैं या नहीं और तीसरी बात यह कि जो पढ़ा है उसका असर कितना है। इस



पाठ्यक्रम जो चलाये जाते हैं

इंस्टीट्यूट ऑफ इंजीनियरिंग एंड टेक्नोलॉजी

- रोबोटिक्स एंड ऑटोमेशन
- आर्टिफिशियल इंटेलीजेंस एंड मशीन लर्निंग
- इंटरनेट ऑफ थिंग्स
- डिजाइन थिंकिंग
- कंप्यूटर साइंस एंड इंजीनियरिंग
- मैकेनिकल इंजीनियरिंग
- इलेक्ट्रिकल एंड इलेक्ट्रॉनिक्स इंजीनियरिंग
- सिविल इंजीनियरिंग
- इंस्टीट्यूट ऑफ मैनेजमेंट
- फिनांकल एम बी ए
- इंस्टीट्यूट ऑफ डिजाइन
- प्रोडक्ट डिजाइन
- इंटरएक्शन डिजाइन
- इंटरडिसिप्लिनरी डिजाइन
- सेंटर आफ एक्सीलेंस
- सेंटर फार कम्युनिकेशंस एंड क्रिटिकल थिंकिंग
- सेंटर फॉर ऑपरेशनस एक्सीलेंस
- सेंटर फॉर डाटा साइंस

समूची स्थिति को व्यवहारिक दृष्टि से समझने के लिए छात्रों को लर्निंग असाइनमेंट दिये जाते हैं, ताकि जो पढ़ा-सीखा उसे व्यवहारिक तौर पर करें भी। यह यूनीवर्सिटी एमबीए, डिजाइन एवं इंजीनियरिंग क्षेत्र में ख्यातनाम है। इंडिया टूडे की रैंकिंग में देश की टॉप यूनीवर्सिटीज में इसका नाम भी शामिल है। इतनी बड़ी 'क्रेडिबिलिटी' देखकर अभिभावक बच्चों को

यहां एडमिशन दिला देते हैं, ऐसे में यूनीवर्सिटी एडमिनिस्ट्रेशन का दायित्व है कि वह बच्चों के लिए पूरा आउटपुट सुलभ कराये और अभिभावक को यह भी लगे कि उन्होंने जो कुछ सोचा था, उससे कहीं अधिक फ्रूटफूल रिजल्ट यूनीवर्सिटी में पढ़कर बच्चों को मिला है। यूनीवर्सिटी से जो भी पास-आउट होता है, उसे जॉब तो निश्चित तौर पर मिल जाता है पर उससे भी बड़ी बात यह है कि जिस तरह की मैन-पावर की जरूरत आज देश में बिजनस हाउसेज एवं इंडस्ट्रीज को है, वह जरूरत भी यह संस्थान पूरी कर रहा है। उनकी जरूरत के अनुरूप मैन-पावर विकसित करने के कारण ही देश के टॉप एंप्लायर यूनीवर्सिटी पर पूरा भरोसा करते हैं बल्कि थैंक्स भी दे रहे हैं कि आपके यहां से वैरी फर्स्ट-डे रिजल्ट ओरियटेड स्किल वाला टैलेंट हमें मिला है। रैना कहते हैं कि देश की अर्थ-व्यवस्था इस समय जिस दौर से गुजर रही है, उसमें कांपैरिट प्रतिस्पर्धा तेजी से बढ़ी है। इस प्रतिस्पर्धा से वही टैलेंट पार पा सकता है, जिसकी लर्निंग वाइब्रेंट रही हो और जेकेएलयू यह काम बहुत परफैक्शन के साथ कर रही है।

जिन कारोबारी घरानों-संस्थानों में यहां के छात्रों को नियोजन के अवसर मिल रहे हैं उनमें अमेजन, एओएन, कोल इंडिया, जीई, इन्फोबीम, जस्ट डायल, एनआईआईटी, सीएसआईआर-सीरी पिलानी, हिताची, इन्फोसिस, कार्वा, निरमा, दिल्ली मेट्रो, एचपी, जेसीबी, लार्सन एंड टूब्रो, एआईएस, डिलायट, आईबीएम, जेके सीडस, एलजी, पेटीएम, बजाज अलायंस, एस्सार, आईसीआईसीआई सिव्युरिटीज, जेके लक्ष्मी सीमेंट, महिंद्रा, सीमेंस, जे के फेनर, आईसीआईसीआई प्रूडेंशियल, मेदांता, टेक महिंद्रा, एयरटेल, फोर्ड, इंडिया बुल्स, जेके टायर और मारुति सुजुकी के नाम उल्लेखनीय हैं।